MAHD-03

June - Examination 2018

M.A. (Previous) Hindi Examination

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Paper - MAHD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य अथवा अधिकतम 30 शब्दों में सीमित कर सकते हैं।

1) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

(i) 'कीर्तिलता' और 'कीर्तिपताका' के रचनाकार कवि का नाम लिखिए।

(ii) कृष्ण भक्ति काव्य के दो प्रमुख रचनाकारों के नाम बताइए।

(iii) 'भूषण बिनु न विराजई, कविता बनिता मित्त।' यह सिद्धान्त वाक्य (कथन) रीतिकालीन किस कवि का है?

(iv) मैथिलीशरण गुप्त की महाभारत से प्रेरित किन्हीं दो रचनाओं का नाम लिखिए।

(v) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा का प्रसिद्ध काव्य संग्रह 'हम विषपायी जनम के' के रचनाकार कवि कौन हैं?

(vi) साम्राज्यवाद–पूँजीवाद का विरोध और शोषित व सर्वहारावर्ग के प्रति सहानुभूति किस काव्यधारा की महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति मानी जाती है?

(vii) 'नीलम देश की राजकन्या' कहानी के कहानीकार कौन हैं?

(viii) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो संस्मरणात्मक निबन्ध संग्रह का नाम लिखिए।

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) लौकिक साहित्य से आप क्या समझते हैं? लौकिक साहित्य के प्रमुख कवि और उनकी काव्यरचनाओं का परिचय दीजिए।

3) संत काव्य परम्परा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

4) प्रेमाख्यान काव्यधारा में चित्रित प्रेम और श्रृंगार भावना का वर्णन कीजिए।

5) रीतिसिद्ध काव्य किसे कहते हैं? रीतिसिद्ध काव्य परम्परा में 'बिहारी' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

6) राष्ट्रीय–चेतना के विकास में नवजागरण के योगदान पर प्रकाश डालिए।

7) भारतेन्दु मण्डल के कवियों का परिचय दीजिए।

8) नयी कविता की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

9) प्रेमचन्दोत्तर कहानी के विकास की विभिन्न दिशाओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) आदिकालीन साहित्य की विविध प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

11) ''सगुण भक्ति काव्य संवेदना और शिल्प दोनों स्तर पद सर्वोत्कृष्ट रहा।'' इस कथन को सोदाहरण विवेचित कीजिए।

12) छायावादी काव्य धारा की प्रवृत्तिगत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

13) निम्नपर टिप्पणी लिखिए। (प्रत्येक चार अंक)

(क) कथाकार प्रेमचन्द

(ख) शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना

(ग) हिन्दी नाटक के विकास में जयशंकर प्रसाद का योगदान

(ड) हिन्दी का प्रगतिवादी काव्य